ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–६९
दिनांक- मंगलवार, ०७ सितम्बर, २०२१

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय बेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 33.3 एवं 27.7 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 88 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 70 प्रतिशत, हवा की औसत गति 10.0 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण 3.3 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 6.2 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 30.5 एवं दोपहर में 38.2 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में वर्षा नही हुई है।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(08–12 सितम्बर, 2021)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 08–12 सितम्बर, 2021 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलो में हल्के से मध्यम छाये रह सकते हैं। इस अवधि में मैदानी जिलों के कुछ स्थानों तथा तराई जिलों के अनेक स्थानों पर हल्की वर्षा होने की संभावना है। गोपालगंज, मधुबनी, सीतामाढी, शिवहर, पूर्वी तथा पश्चिमी चम्पारण जिलों में अधिक वर्षा हो सकती है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 32–34 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। जबकि न्यूनतम तापमान 24–26 डिग्री सेल्सियस के आस–पास रह सकता है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 75 से 90 प्रतिशत तथा दोपहर में 50 से 65 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 10–15 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से अगले चार दिनों तक पछिया हवा तथा उसके बाद अखिरी एक दिन पूरवा हवा चलने का अनुमान है।

• समसामयिक सुझाव

- अगात बोयी गई धान की फसल जो गाभा निकलने की अवस्था में आ गयी हो, उसमें ३० किलोग्राम नेत्रजन प्रति हेक्टेयर की दर से उपरिवेशन करें। पिछात धान की फसल में तना छेदक (स्टेम बोरर) एवं पत्ती लपेटक (लीफ फोल्डर) कीट की निगरानी करें। पत्ती लपेटक कीट के पिल्लू धान के पत्तियों के दोनो किनारों को रेशमी धागे से जोड़कर उसके अन्दर रहते है तथा पत्तियों की हरीत्तिमा को खाता है। बचाव के लिए करताप हाईड्रोक्लोराईड दाने-दार दवा का १० किलोग्राम प्रति एकड़ की दर से व्यवहार खेत में प्रर्याप्त नमी की उपस्थिती में करें। खरपतवार नियंत्रण के कार्य को प्राथमिकता दें।
- धान की फसल में खैरा बीमारी दिखाई पड़ने पर खेतों में जिंक सल्फेट ५.० किलोग्राम तथा २.५ किलोग्राम बुझा चूना का ५०० लीटर पानी में घोल बना कर एक हेक्टेयर में छिड़काव करें।
- किसान भाई इस माह की १५ सितम्बर तक अरहर की बुआई उचॅास जमीन में संपन्न कर ले। इसके लिए पूसा-९ एवं शरद प्रभेद अनुशंसित है। बुआई के समय प्रति हेक्टेयर २० किलोग्राम नेत्रजन, ४५ किलोग्राम स्फुर,२० किलोग्राम पोटाश तथा २० किलोग्राम सल्फर का व्यवहार करें। बुआई के २४ घंटे पूर्व २.५ ग्राम थीरम दवा से प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचार करे। बुआई के ठीक पहले उपचारित बीज को उचित राईजोबियम कल्चर से उपचारित कर बुआई करनी चाहिए। जुन-जुलाई में बोयी गई अरहर की फसल में कीट-व्याधि का निरीक्षण करते रहें।
- फूलगोभी की पूसा अगहनी, पूसी, पटना मेन, पूसा सिन्थेटिक-१, पूसा शुभ्रा, पूसा शरद, पूसा मेधना, काशी कुवॉरी एवं अर्ली स्नोवॉल आदि किस्मों की रोपाई करे। अगात फूलगोभी में पत्ती खाने वाली कीट (डायमंड बैक मॉथ) की निगराणी करे एवं प्रकोप दिखाई देने पर वचाव हेतु स्पेनोसेड दवा एक मि०ली० प्रति ४ लीटर पानी में घोलकर छिड़काव आसमान साफ रहने पर करें।
- मूली एवं गाजर की अगेती बुआई करें। मूली के लिए पूसा चेतकी, पूसा देशी, पूसा हिमानी, जौनपुरी जापानी सफेद, पूसा रश्मि, जापानी सफेद, पंजाब सफेद, अर्का निशान्त आदि प्रभेद अनुशंसित है। गाजर के लिए पूसा केसर, पूसा मेघाली, पूसा यमदागिनी, अमेरिकन ब्युटी, कल्याणपुर येलो एवं नैन्टेस प्रभेद अनुशंसित है। बीजदर ४ से ५ कि०ग्रा० प्रति हेक्टेयर तथा २५ ग्१० से०मी० की दुरी पर बुआई करें।
- बैगन की तैयार पौध की रोपाई करें। रोपनी से पहले १ ग्राम फ्युराडान ३ जी० दानेदार दवा प्रति पौधा की दर से जड़ के पास मिट्टी में मिला कर रोपनी करें।
- स्वस्थ एवं सुडौल आकार वाली सब्जियों के उत्पादन के लिए किसान भाई ट्राइकोडरमा खाद से मृदा उपचार कर सब्जियों की रोपाई करें। मिर्च, बैगन, टमाटर की फसलों एवं नर्सरी में लाही, सफेद मक्खी व चूसक कीड़ों की निगरानी करें। ये कीट विषाणु जनित रोग के लिए वाहक का काम करते है जिससे पौध के पत्ते टेढ़े-मेढ़े होकर सिकुड़कर रोगग्रस्त हो जाते है। यह बड़ी तेजी से एक-पौधें से दूसरे पौधे में फैलता है। इससे बचाव के लिए इमिडाक्लोरोप्रिड दवा का ०.३ मी.ली. प्रति लीटर पानी की दर से घोल कर छिड़काव करें।
- दूधारू पशुओं को हरे चारे के साथ-साथ सूखा चारा (५०:५०) के अनुपात में खिलायें तथा २०-३० ग्राम खनिज मिश्रण व नमक प्रतिदिन दें। पशुघर के आस-पास मच्छर, मक्खी और कीड़े पनपने से रोकने के लिए चूना का छिड़काव करें। मवेशियों को संक्रामक रोगों से बचाने के लिए पशु चिकित्सक की सलाह से टीकाकरण करावें।

आज का अधिकतम तापमानः 30.7 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 1.5 डिग्री सेल्सियस कम	आज का न्यूनतम तापमानः 27.2 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 1.5 डिग्री सेल्सियस अधिक

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी

(डॉ0 ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी